GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0048**

Classification:

Original File No. 165

Title

Gossner High School

Volume:

Running **from year: 1926** **till year:**

Content:

- Budget of Hostel Expenditure, 1925
- Notice by Principal
- Report of the Sub- Committee of Gossner High School, Managing Committee
- Letter to Secetory G.E.L.C by Benjamin Minz on 1-9-25
- Curriculum for Religious Teaching, 1926,

165

High School.

1926.

गोस्सनर हाई स्कूल का 'चिन्ह' तथा 'आदर्श' (Crest and Motto) ।

ऊपर के 'चिन्ह' (Crest) से बहुतेरे परिचित हो चुके होंगे । कितनों ने, विशेष कर पुराने छात्रों तथा स्कूल के हितैषियों एवं गोस्सनर एवंजेलिकल लूथरान कलीसिया के अंगों ने पूछा है कि इसका क्या माने है। और लोग होंगे जिन्हों ने इसको आश्चर्य्य के साथ देखा पर किसी से उसके बारे कुछ नहीं पूछा । स्कूल छात्रों ने इसे सर्वत्र विद्यमान देखा है—स्कूल हाल (hall) में, अपनी खाताओं की जिल्दों में, अपनी तरक्की रिपोर्ट की लिपियों में, और बहुत दूसरी जगहों में । उन्हों को भी यह विचित्र मालूम हुआ होगा। गत वर्ष श्रीमान स्तोश साहिब ने इसका माने मुझसे पूछा और सुनके बहुत खुश हुआ । उसने 'आदर्श' (Motto) के अर्थ को लिखने कहा जो जो मैंने किया। मुझे आशा है कि और भी बहुत लोग होंगे जो अर्थ को जानने के लिये लालायित हैं। सो मैं 'चिन्ह' तथा 'आदर्श' का अर्थ बताता हूं—

कोई समाज अपने लिये एक चिन्ह तथा आदर्श रखती है जिसका माने यह है कि उस समाज ने अपने जीवन तथा काम धंधा के उद्देश्य को उस चिन्ह तथा आदर्श में अंकित कर दिया है और समाज के प्रति सदस्य से उम्मेद किया जाता है कि वह उस चिन्ह तथा आदर्श के अनुसार जियेगा और काम करेगा। यह नितान्त प्रयोजन नहीं है कि हरएक अवश्य एक चिन्ह औ आदर्श रखे जिसके द्वारा वह उच्च उत्साह को प्राप्त करेगा, वा योग्य जीवन जीने के लिये चलाया जायगा, वा ईश्वर के लिये महान कार्य्यों को करने का साहस पावेगा। खीस्तान के लिये तो प्रभु यीशु खीष्ट उत्साह देनेवाला है; उसके लिये क्रूश से बढ़कर कोई चिन्ह नहीं हो सकता है जिसके द्वारा वह बपतिस्मा के समय चिन्हित हुआ; और उसके लिये ईश्वरका वचन जीता आदर्श है। यह आवश्य है कि किसी खीस्तान स्कूल का 'चिन्ह' औ 'आदर्श', भाव एवं मूल में सम्पूर्ण रीति से खीष्टीय होवे। इसी कारण हमारा 'चिन्ह' औ 'आदर्श' भी ऐसे हैं जो कि हमें खीष्ट सदृश जीने को चलाते हैं। उनका प्रयोजन ही है सो तो नहीं। पर उनको रखना और उनके पीछे दौड़ना हमारे स्कूलका एक विशेष लक्षण है। जैसे, शिमोन, याकूब और योहन वही व्यक्ति रहते यदि कि यीशु उनको पितर और बोअनेरगेस (गर्जन के पुत्र) नाम नहीं दिया होता। तोभी ये नाम उनके निशान ठहरे और इनको यथा नाम तथा जीने के लिये स्मरण एवं उत्साह दिये होंगे।

अब हम 'चिन्ह' तथा 'आदर्श', को समझने का प्रयत्न करें। आप देखते हैं कि 'चिन्ह' एक ढाल है। अकसर यह रूप 'चिन्ह' के लिये रखा जाता है, मानो कि उसमें की तस्वीर जिस हथियार का संकेत करती है उसके द्वारा ढाल को पकड़नेहारा विशाल संसार को विजय

करने जाता है। आप देखते हैं कि ढाल क्रूशके द्वारा चार टुकड़ों में विभक्त है। इस तरह क्रूश 'चिन्ह' का मूल लक्षण है और किसी खीस्तान के लिये क्रूश ही सब चिन्हों में श्रेष्ठ है जिसमें उसका सारा जीवन जुटता और उसको चहुं ओर घूमता है। स्कूल 'चिन्ह' में क्रूश का रंग लाल है। बहुत शतकोंसे खीस्तानों के बीच में लाल क्रूश उन लोगों तथा उन समाजों का चिन्ह ठहरा है जो घायलों और दुःखितों को सुधि लेने में अपना लोहू बहाते हैं। यथा, Red Cross Society and St. John's Ambulance Association.

स्कूल 'चिन्ह' में लाल क्रूश हरे जमीन पर हैं। हरा रंग प्राकृतिक तथा सर्वव्यापिता का चिन्ह है।

याने ये दो रंग जो स्कूल के रंग हैं, इस स्कूल से सब सम्बन्ध रखनेहारों को दया का काम करने, तथा जगत भर के लिये काम करने के लिये पुकारते हैं।

क्रूश से बांटा हुआ उपरैला बांया भाग— इस चौथाई में खुली पुस्तक है और उसके सम्बन्ध में 'आदर्श वचन है 'शिक्षया'। 'शिक्षया' का अर्थ है 'पढ़ने के द्वारा' एवं 'पढ़ाने के द्वारा' और खुली पुस्तक इन दोनों का प्रतिरूप है; क्योंकि पुस्तक से यह प्रगट है कि एक लेखक है जो पढ़ाता है और खुले पुस्तक से प्रगट है कि कोई उसे पढ़ता है। खुली पुस्तक खीस्तानों को यह सिखाती है कि एक 'पुस्तक' (धर्म्मपुस्तक) है जिसको जो पढ़े सो बूझे और उसके लेखक (ईश्वर) को भी बूझे।

ईश्वर का भय बुद्धि का आरंभ है। नीति वचन १, ७।

बुद्धि की प्राप्ति चोखे सोने से क्याही उत्तम है। नीति वचन १६, १६।

दूसरे चौथाई (ऊपर दहिना) भाग में एक तस्वीर है जिसमें एक चिराग एक भारतीय ग्राम संडक को उंजाला दे रहा है! इसके साथ आदर्श का दूसरा वचन हैं 'दीक्षया' जिसका माने है 'पवित्रीकरण के द्वारा'। सत्य ज्ञान की प्राप्ति जरूर 'पवित्रीकृत' जीवन प्रदान करती है। यदि एक चिराग जलाया जाय, अर्थात ज्ञान प्राप्त किया जावे, तब वह अवश्य दूसरों को प्रकाशमान करे।

तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक और मेरे मार्ग के लिये उंजियाला है। गीत ११९, १०५।

तुम्हारा प्रकाश मनुष्यों के आगे चमके जिस्तें कि वे तुम्हारे भले कामों को देख के तुम्हारे स्वर्गवासी पिता का गुणानुवाद करें। मत्ती ५, १६।

प्रकाशमान हो क्योंकि तुझे प्रकाश मिल गया है। यशैयाह ६०, १।

तीसरे चौथाई (नीचे बांया) भाग में एक हल की तस्वीर है। 'आदर्श' के तीसरे वचन 'यन्त्रण' का अर्थ है 'हथियार के द्वारा'। मनुष्योंने हथियार बनाया जिस्तें इसके द्वारा उनका सामर्थ्य तथा लाभ बढ़े। सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय है खेती जिसको आदम ने आरंभ किया। छोटानागपुर में मनुष्यीय श्रम औ व्यवसाय के लिये हल बहुत उपयुक्त उपमा है।

यदि कोई कमाने नहीं चाहता है तो खाना भी न खावे। २ थिसलोनी ३, १०।

वरन हाथों से भला कार्य्य करने में परिश्रम करे इसलिए कि जिसे प्रयोजन हो उसे बांट देने को कुछ उस पास होवे। इफिसी ४, २८!

ढाल के अन्तिम चौथाई भाग में उचित तौर पर एक लड़का प्रार्थना कर रहा है। यह दिखाने का प्रयोजन नहीं है कि जैसे और बातों में तैसे स्कूल के जीवन का जड़ भी प्रार्थना है। इस विषय के 'आदर्श' वचन 'मन्त्रण का अर्थ है प्रार्थना।

जागते रहो और प्रार्थना करो। मत्ती २६, ४१।

एक दूसरे के लिये प्रार्थना करो। याकूब ५, १६।

'आदर्श' वचन संस्कृत में है यह दिखाने को कि हमारा स्कूल हिन्दुस्तानीय है। हिमालय से कुमारी अन्तरीप तक पूर्ण भारतवर्ष के अनमोल धन में से संस्कृत एक धन है।

तब अपने आदर्श के अनुसरण में चलें हम सीखें और दूसरों को सीखने के लिये पढ़ावें। बुद्धि उपार्जन के हेतु हम सब पुस्तकों को पढ़ें तो सही, किन्तु कदापि भूल न जावें कि सर्वोच्च बुद्धि उस 'पुस्तक' (धर्म्मपुस्तक) में है जिसको जो पढ़े सो बूझे। बुद्धि एवं सत्यज्ञान प्राप्त करके हम दूसरों को उंजालामय करना न भूल जावें न निरे होंठ से, वरन अपने पवित्रीकृत जीवन से। चलें, हम परिश्रम करें, हां सच्चाई से, जब तक दिन है क्योंकि रात आती है जिसमें कोई काम नहीं कर सकता है। अन्त में, हम प्रार्थना रूपी डोरी से अपनों को आपस में बांधे और एक होकर शैतान, संसार, और शरीर का सामना करें।

S. K. Roy.

गोस्सनर हाई स्कूल।

१९२६ साल के लिये प्रिन्सिपल का रिपोर्ट

छात्रों की संख्या :— इस साल में छात्रों की संख्या और भी बढ़ गई है। इसका विशेष कारण यह है कि हमारे स्कूल में दिहात से बहुत से लड़के आये हैं जो गोस्सनर एवंजेलिकल लुथेरान कलीसिया के छः मिडिल इंगलिश स्कूलों से मिडिल इंगलिश इमतिहान पास कर इस स्कूल के ८वें क्लास में भर्त्ती हुए हैं। इस कारण यह आवश्यक हुआ कि हम इस क्लास को तीन भागों में विभक्त करें, मैं इसके विषय में नीचे अपने रिपोर्ट में लिखा हूं। यह स्मरण रखना चाहिये कि यह स्कूल एक मण्डली की सेवा करती है जिसके अंगों की संख्या एक लाख से भी अधिक है। छोटानागपूर की जी. ई. एल. कलीसिया में छः मिडिल इंगलिश स्कूल हैं और मिडिल क्लासों में विद्यार्थियों की कुल संख्या १५० से भी अधिक है। यदि इन में से केवल प्रति सैकड़े ४० भी भर्त्ती होवें तो बहुत नहीं है और इस हिसाब से इस सम्प्रदाय में केवल ६० लड़के होंगे जो इस स्कूल में भर्त्ती किये जायेंगे। इसके सिवाय, हमारे स्कूल के लड़के हैं जो सातवें क्लास से प्रोमोशन पावेंगे और वे लड़के भी हैं जो आठवें ही क्लास में रोके जायेंगे। मैं रांची के स्थानीय लड़कों की बात जो इस मण्डली के नहीं हैं छोड़ देता हूं। यहां भर्त्ती होने के लिये उनकी भी भारी भीड़ रहती है। यदि हम भर्त्ती होने के लिये ऊंचा दर्जा रख, उसके अनुसार कड़ाई से काम करेंगे तब केवल हमें ८ वें क्लास को तीन भागों में बांटना न पड़ेगा। यदि क्लासों को तीन भागोंमें विभक्त करने के विषय शिक्षा विभागीय नियमों को हम ठीक से पालन करें तो मुझे देख पड़ता है कि शिक्षा विभाग को इस विषय पर कि रांची जिले के भीतर और हाई स्कूल खोलना चाहिये वा नहीं, गम्भीरता के साथ सोचना पड़ेगा। तुलना के लिये मैं नीचे छात्रों की संख्या की तालिका देता हूं।

		१९२४ जनवरी	१९२५ जनवरी	१९२६ जनवरी
बोर्डर।		२०३	२१२	२११
डे स्कोलर।		११६	१९७	२४८
	जमा	३१९	४०९	४५९
खिस्तान बोर्डर।		१८।	१९९	२०२
,, डे स्कोलर।		१२३	११९	१४७
अखिस्तान।		७५	९१	११०
	जमा	३१९	४०९	४५९
आदि निवासी।		३२१	३३८	३७६
अनादि निवासी।		५८	७१	८३
	जमा	३१९	४०९	४५९
हिन्दु		४७	६२	७९
मुसलमान		१०	९	४
खिस्तान		३०४	३१८	३४९
दूसरी जाति।		१८	२०	२७
	जमा	३१९	४०९	४५९

आर्थिक अवस्था :— बीते साल, मैंने घमण्ड के साथ यह कहा था कि फीस आमदनी की वृद्धि और एडभेजरी बोर्ड से लगातार नियम पूर्वक सहायता मिलने के कारण स्कूल की आर्थिक अवस्था दृढ़ हो गई है। मैंने कहा कि अब मेनेजिंग कमिटि वार्षिक तलब वृद्धि के नियम को अवश्य काम में ला सकेगी और मैंने यह आशा भी दिखाई कि माष्टरों के तलब का स्केल ठहराने में वे सामर्थ होंगे। परन्तु ये सब आशायें तुरन्त पीछे भूल निकलीं। नये साल में अर्थात इस साल में जिसका रिपोर्ट मैं अभी दे रहा हूं, छात्रों की संख्या इतनी बढ़ गई कि आठवें क्लास को जहां लड़के मिडिल इमतिहान पास करने पर भर्त्ती किये जाते हैं तीन भागों में बिभक्त करना पड़ा। शिक्षा बिभाग यह पसन्द नहीं करती है कि कोई क्लास का तीन भाग होवे। परन्तु यह स्कूल मुख्यत: कोई एक बिशेष सम्प्रदाय के लिये है इस कारण हमारे सामने यह प्रश्न उपस्थित होता है कि बहुत विद्यार्थियों के लिये जो दिहातों से छ: मिडिल स्कूलों से आते है उच्च शिक्षा का द्वार बन्द करें या नहीं। शिक्षा बिभाग ने इस आठवें क्लास को तीन भाग में रखने के कारण हमारा ग्रान्ट नहीं बढ़ाया। नया क्लास हाई स्कूल का एक क्लास है इस कारण हमों ने एक ग्रेजुएट (graduete) टीचर को काम में बहाल किया। और खर्च का समूचा भार स्कूल ही को उठाना पड़ा क्योंकि एडभैसरी बोर्ड भी अपना ग्रन्ट बढ़ाने में असमर्थ थी। इन कारणों से लाचारवश सिर्फ उन माष्टरों का बेतन वृद्धि की जा सकी जिनका माहवारी बेतन ५० रुपये से कम था।

स्टाफ (शिक्षक गण)— इस साल शिक्षकवर्ग में बहुतसा अदल बदल हुआ है। बीते साल मैंने रिपोर्ट दिया था कि Mr. C. C. Tirkey B. A. ने अपने काम का इस्तीफा दिया है।

उनके जगह में Mr. N. Ekka B. A. नियुक्त किये गये हैं। ये स्कूल के पुराने छात्र हैं और मेरे ही समय से मेट्रिक्युलेशन पास किये हैं। Mr. J. K. Shah B. A. with Distinction ८ वें क्लास के नये भाग के लिये additional graduate teacher नियुक्त किये गये हैं। पाठ-विषय में अदल बदल होने के कारण जैसा मैं पीछे लिखा हूं, मौलवी इर्शाद हुस्सैन के स्थान पर पण्डित रखवाल टोप्पो नियुक्त हुए हैं। जनवरी महीने के अन्त में Mr. C. T. Bajpai ने अपना इस्तीफा दिया और उसके जगह के खाली पड़ने पर बहुत सी बदबाहट हुई है। Mr. Zachariah Purti B. A. उसके स्थान में नियुक्त किये गये थे पर जून महीने में पढ़ने के लिये वे पटना ट्रेनिंग कालेज चले गये। हमों के बीच यह समझौता है कि B. E. D. degree पाने के बाद वे फिर लौट कर इस स्कूल में आवेंगे। उसके जगह में Mr. Paulus Candulna B. A. काम करने लगे पर वे भी Sub-Inspector of Schools का काम पाकर यहां से चले गये। इनके जगह में कुछ दिन के लिये Mr. Obed Minz B. A. नियुक्त हुए हैं। तुरन्त मान लेना चाहिये कि इस स्कूल में जो छोटानागपूर की लुथेरान कलीशा से घनिष्ठ सम्बन्ध रखती है योग्य लुथेरानों को यदि वे मिलते हों पहिला स्थान दिया जाय। परन्तु यह भी ख्याल रखना चाहिये कि सब लुथेरान युवक क्या वे ग्रेजुएट (graduate) हों या कोई दूसरी रीति से योग्य हों—अपनी मण्डली या अपने पुराने स्कूल की सेवाकाई में अपनी सांसारिक वृद्धि त्यागने के लिये तैयार नहीं हैं और न उनसे ऐसी आशा ही की जा सकती है। परन्तु तौभी मेनेजिंग कमिटि आशा सहित बाट जोहती है कि आत्म त्याग का यह आत्मा लुथेरान युवकों में प्रगट होय। और वह यह भी विश्वास करती है कि शीघ्रही भविष्यत में उनकी आशा पूरी होगी। परन्तु इस समय कार्य्यदक्षता में कोई प्रकार की त्रुटी नहीं की जा सकती है और मेनेजिंग कमिटि को चाहिये कि स्थिति अनुसार अपना उत्तम बन्दोबस्त करे।

पाठ विषय— ऊपर यह कहा गया कि मौलवी इरशाद हुस्सैन इस स्कूल से अपना काम छोड़, साल के आरंभ से St. Pauls High School में काम करते हैं। हमोंने यह मालूम किया कि उर्दू और फ़ारसी अलग २ दो स्कूलों में पढ़ाने की अपेक्षा अच्छा है कि उनको पढ़ाई एकही स्कूलमें होवे और दो मौलवी काममें लगाये जांय अतएव शिक्षा विभाग की सहायता और सहानुभुति से उपरोक्त बन्दोबस्त किया गया। इस प्रकार फ़ारसी हमारे स्कूल में Classical language नहीं है और उर्दु भी न Vernacular न Classical language ही है। परन्तु किसी तरह हम लोग Classical की जगह में additional English पढ़ाते हैं। हम लोगों के स्कूल में कोई हिन्दी, संस्कृत और ग्रीक इन सभों के बीच किसी एक को classical भाषा की तरह पढ़ सकता है। हम लोग दो मातृ भाषा अर्थात हिन्दी और बंगाली पढ़ाते हैं। यह अफसोस की बात है कि अबतक हम हमारे हाई स्कूल कोई विज्ञान का विषय पढ़ाने में असमर्थ हैं। इसका कारण स्थान की कमी है। इसके विषय में पीछे लिखा हूं। हमें विश्वास है कि बहुत दिन बीतने भी न पायेंगे कि हम इस त्रुटि को पूरा कर लेंगे।

परीक्षा फल— गत फरवरी महीनेमें मेट्रिक्युलेशन इमतिहानके लिये २० लड़के और स्कूल लीभिंग सर्टिफिकेट इमतिहानके लिये ६ लड़के भेजे गये थे। इस सालसे नयेनियमके अनुसार कोई लड़का दोनों इमतिहान दे नहीं सकता है। सिर्फ ६ लड़के मेट्रिक्युलेशनमें पास हुए, एक दूसरे दर्जेमें और पांच तीसरे दर्जेमें। S.L.C. परीक्षामें दो लड़के पास हुए। फेल हुए लड़कोंमें से ११ और २ नये लड़के Supplementary Matriculation Examination के लिये बैठे। १३ लड़कोंमें से

५ लड़के पास हुए, २ दूसरे दर्जेमें और ३ तीन तीसरे दर्जे में। यह एक आश्चर्य्यजनक बात है कि ५ लड़कों में से ४ लड़के जो फरवरी महीनेके इमतिहानमें फेल हुए लेकिन Supplementary Examination में पास हुए, कोई भी ऐसा नहीं था जो बीते चार सालों में अंग्रेजी में फेल हुआ हो। परन्तु तोभी वे फरवरी महीने की परीक्षा में उसी विषय में फेल हो गये, पर चार महीने के पीछे वे फिर उस विषय में पास हो गये। इससे हम क्या सोचें, क्या उन चार लड़कों में अथवा क्या University परिक्षाओं में एक साथ बदलाहट हुई? मैं यह जानने का बहुत ही यत्न किया हूं कि क्यों हमारे लड़के इस तरह इस साल फेल हुए हैं। हमारी पढ़ाई का नाम अबतक हमारे स्कूल घर से बाहर भी है। परन्तु अन्त में मेरा निर्णय यही हुआ है कि हमारा परीक्षा-फल खेल मैदान में हमारी हार के कारण खराब हुआ है। मेरा विश्वास है कि वटरलू (waterloo) की लड़ाई के समान बहुत सा विजय हमारे स्थान के बिन खेल मैदान में हुआ करते हैं। इसका सिवाय और एक भारी कारण है अर्थात कि बीते तीन सालों में मास्टरों का बराबर अदल बदल हो रहा है जिसके कारण हमों को ऐसे मास्टरों को काम में लगाना पड़ा है जो थोड़े दिनों के लिये स्कूल में रहते हैं और इस कारण हमारी बहुत हानि हुई है।

साधारण ज्ञान और बुद्धि परीक्षा—हम अभी भी प्रायः समूचे स्कूल के लिये साल में एक बार साधारण ज्ञान और बुद्धि परीक्षा (General Knowledge and Intelligence Test करते हैं।

खेल सम्बन्धी बातें। मुझे इस साल एक ऐसी बातका रिपोर्ट देने हो रहा है जो मेरे समय में कभी नहीं हुआ था अर्थात कि हम लोग इस साल एक भी Cup जीतने नहीं सके। शायद स्कूल का Physical Director इसका सन्तोषजनक कारण बता सकेंगे परन्तु मेरे विचार में इसकाकारण वैसाही होगा जैसा एक प्रसिद्ध क्रिकेट खिलवाड़ी अपने मित्रों को दिया था—जब वह क्रिकेट खेल में गेंद को मारने न सकने के कारण Out हो गया तब उससे सहानुभुति रखनेवाले मित्रों ने पूछा कि वह किस प्रकार Out हो गया। उसका जवाब यही था—"गेंद मेरे बेट (Bat) के नीचे से पार होकर लकड़ियों (wickets) में लगा और मैं इस तरह out हो गया"।

होस्टेल—इस साल का मुख्य घटना यही है कि सरकार ने नये होस्टेल का पक्का छत बनाने के लिये १६२१०) रुपये का ग्रान्ट दिया है। इस घर में हमें बहुतसी असुविधाएं भेजनी पड़ती थीं और इसके विषय में बहुत बेर कह चुका हूं। समूचे होस्टेल में १० वर्ग गज का भी एक ऐसी जगह न थी जहां वर्षा ऋतु में न चूता हो। कुछ महीनों के बाद बहुत बदलाहट होगी और हम बोर्डरों को सोने के लिये अच्छी जगह दे सकेंगे। सरकारी ग्रान्ट की आशा जिसके विषय में मैं बीते साल कह चुका हूं अभी थोड़ी बातों को छोड़ बाकी विषयों में आशा से अधिक पूरी हो गई है।

होस्टेल के सम्बन्ध मुझे सिर्फ एक विषय में अपनी निराशता जनाना पड़ता है। मेरी इच्छा थी कि होस्टेल के लिये एक पात्री कर्म्मचारी पूरे समय के लिये सब वार्डन नियुक्त किया जाय परन्तु मेरी यह इच्छा अबतक पूरी नहीं हुई है। वह पात्री कर्मचारी जो १९२४ के जून में सब वार्डन बनाया गया, होस्टेल में आने न सका और बीते फरवरी महीने में मण्डली उसको फिर बुला ली। उनके जगह में बाबू तारा प्रसन्न ख़लखो नियुक्त किये गये थे। वे गुन्टुर के थेओलोजिकल सेमिनरी में ट्रेनिंग पाकर आये हुए थे। अभाग्यवश,

बीते जून में वे मर गये। इसके बाद हमोंको अस्थायी बन्दोबस्त ही से अभी सन्तुष्ट रहना होता है।

इमारतें :— बार बार मैं अपने वार्षिक रिपोर्ट में कहता आया हूं कि हमारे स्कूल घरों की अवस्था अच्छा नहीं है और कि बीते पांच बरसों से जगह की कमी के कारण बहुतही असुविधाएं हो रही है। हमें नितान्त आवश्यक हुआ कि तीन भिन्न २ बंगलों में क्लासों को ले जाएं। नये होस्टेल में भी स्कूल किया जाता है। अबतक हम अपने लड़कों के लिये एक Common Room दे नहीं सके हैं और न हमारे पास होल (Hall) ही हैं जहां हम अपने सब लड़कों को जगह दे सकें। हम आशा करते हैं कि हम लोग आने वाले साल में एडमैसरी बोर्ड की अधिकांश सहायता से ५०००) रु० जमा कर सकेंगे और इसके बलसे सरकार के पास नियमानुसार इसे दूने रकम के दरख्वास्त देंगे। इसी से स्कूल क्लास कोठरियों का एक नया ब्लोक (Block) बनाया जायगा और पुराने स्कूल घर का होल (Hall) और बरण्डा फिर से बनाया जायगा। हमें आशा है कि इन दोनों बातों में सफलता पावेंगे।

स्कूल घर सम्बन्धी प्रश्न के हल करने के साथ साथ इस स्कूल में विज्ञान-शिक्षा का प्रश्न भी हमारे सामने उपस्थित होता है। मेरे विचार में इस स्कूल में पढ़ाने के लिये गृहस्थी सम्बन्धी उद्भिज विज्ञान सब से अच्छा विषय है। इस स्कूल में आने के एक बर्ष बादही इस स्कूल के पाठ-विषय में गृहस्थी बिज्ञान को मिलाने के लिये मैंने एक स्कीम (Scheme) निकाली थी। मुझे अफसोस है कि जोभी मैं उस में से एक हूं जो पहले पहल इस प्रान्त में इस नियम की बिशेषता जान ली है और एक ऐसे केन्द्र स्थान में रहते हुए भी गृहस्थी सम्बन्धी शिक्षा देने के लिये सब प्रकार की सुबिधाएं हैं और जोभी यहां के लोगों के लिये जमीन बहुत ही प्रिय है, इस विषय में हम बिशेष कर स्थान की कमी के कारण बीते बरसों में कुछ करने नहीं सके हैं। हाल में दूसरे स्थानों पर गृहस्थी उद्भिज विज्ञान को हाई स्कूल के पाठ-विषय में मिलाने के लिये बहुत जोर दिया जा रहा है। और हिन्दुस्थान के भिन्न २ प्रान्तों में इस विषय को पढ़ाने की बड़ी धुन है।

धन्यबाद—हम फिर इस बर्ष पाद्री साहिब को धन्यबाद देते हैं। वे अबतक हमारे पास अमेरिका के कईएक Education magazine भेजते हैं। मैं Mrs. Roy को धन्यबाद देता क्योंकि वे कृपा कर बहुत से तस्वीरों को स्कूल के लिये दान किया है। अभी समूचे स्कूल में चित्रों की संख्या बहुत है। शिक्षक लोग हर समय मुझ से सहयोग करते आये हैं इसलिये मैं उनका बहुत ही धन्यबादी हूं। एडमैसरी बोर्ड को भी मैं धन्यबाद देता हूं वह दया के साथ स्कूल के भलाई की चिन्ता करती आई है।

गोस्सनर हाई स्कूल में गोस्सनर दिन वार्षिक उत्सव
दिसम्बर १४, १९२६।

गत चार वर्षों से 'स्कूल वार्षिकोत्सव' को डाक्टर गोस्सनर के जन्म दिन में मानने की प्रथा हुई है। इसके अनुसार उस दिन को इस साल में भी हमों ने माना है। सुबह ८ बजे स्कूल छात्र पुराने बोर्डिंग के सन्मुख एकत्र हुए और गीत गाते हुए श्रो स्कूल हाता एवं घरों को चक्र देते हुए हम गिर्जा को गये जहां पा. बिन्यामीन मिंज ने आराधना की और पा. श्रो. भी. वर्नर ने उपदेश दिये। वर्नर साहिब ने एलीशा नबी के स्कूल वा आश्रम पर व्याख्यान दिये जिसका एक छोटा बर्णन २ राजा ६, १-८ में है। उसने दिखाये कि स्कूल छात्रों को ये बातें आवश्यक हैं — (१) कि वे आपस में और अध्यक्ष के साथ मिलके काम करें, (२) कि यदि आवश्यक हो तो वे अपने हाथों से परिश्रम करें, और (३) कि वे स्कूल की 'संकीर्ण अवस्था' को खोलने, बढ़ाने के लिये सब कुछ करें।

दूसरी बेला स्कूल हालमें एक सम्मेलन हुआ जिसके सभापति पा. ऐ. केनेडे साहिब थे। अभाग्यवश जिन दो सज्जनों को सभापतित्व ग्रहण करने को बिन्ती की गई थी वे जोभी मंजूर तो थे, पीछे अपने कर्त्तव्य काम से रोके गये। इस पर हम केनेडे साहिब के बहुत कृतज्ञ हुए जब उसने खाली जगह को भर दिये। उसने इन्हें अपने स्कूल दिनों की बात सुनाई कि कैसे बिना आशा रखते हुए उसने 'वादानुवाद' (Debate) के लिये एक तगमा पाया। तदनन्तर फुटबौल एवं हाकी प्रथमग्याराहों को बैज (Badge), और वर्ष की उच्च-हाजरी के लिये IV A क्लास को और इलाका हाकी खेल जीतने के लिये टकरमा इलाका टीम को ढालें (Shields) दिये गये। सम्मेलन समाप्त होने पर 'पूर्व्व और वर्त्तमान' छात्रों का हाकी मेच खेला गया। वर्त्तमान छात्रों को सुभाग्य था कि खेल बराबर हुआ 'पुराने लड़कों' का खेल बेहतर था।

समूचे स्कूल एवं उपस्थित 'पुराने लड़कों' को जलपान दिया गया।

संध्या को 'पुराने लड़कों' की एक बैठकी हुई जिसमें यह संकल्प किया गया—

कि गोस्सनर हाई स्कूल के पुराने लड़कों की एक समाज संगठन की जावे तथा निम्नाङ्कित अंगों की एक कमिटी होवे, जो अपनी संख्या बढ़ा भी सके, कि वे समाज के लिये नियम बनावें। — प्रिन्सिपल, श्री. समुएल पुर्ती, श्री. अमृतलाल तिर्की, श्री. प्रभुशरण लकड़ा (कनभीनर) और श्री. योहन कुजुर।

* 1925, BUDGET *

of Hostel Expenditure

on basis of 214 boys per week.

Item	Particulars	Rs. As. P
Rice.	3 mds per day 21 mds per week @ average cost of 6½ seers per rupee............	130- 00- 0
Dal.	28 seers per day @ -/3/6pies per seer..	42- 14- 0
Salt.	2½ seers per day @ Rs 3/12/- per md. per week........	1- 10- 0
Oil.	....	4- 00- 0
Masalas, etc:	....	2- 8- 0
Fuel.	per week...............	57- 00- 0
Kerosine	....	10- 00- 0
	Per week...	248- 00- 0

For 42 weeks in the year Rs. 248-00-0 X 42

= Rs. 10416-00-0

Extra food during winter
meat & vegetables......210-00-0

Rs. 10626-00-0

Sundries per week.

Datun.............	1-00-0
Gharas............	1- 8-0
Chimneys & wicks..	2-00-0
Rassi & dole......	2-00-0
Sikas.............	0- 6-0
Jharus............	0-10-0
Sup...............	0-10-0
Tokri.............	0- 9-0
Tinning...........	1- 4-0
	10-00-0 X 42 = 420-00-0

Servants Monthly Basis.

Cooks...........	18-00-0
Dhobi...........	15-00-0
Habil...........	4-00-0
	37-00-0 X 12 = 444-00-0

Estimated Total of Annual Expenditure.......Rs. 11490-00-0.

Approximate total income from
boys during the year............10000-00-0

Advisory Board grant.................. 1000-00-0 11000-00-0

Deficit Rs......... 490-00-0

NOTICE.

THE ATTACHED RULES FOR THE PROPER USE OF SCHOOL GARDEN AND COMPOUND , ADOPTED TENTATIVELY AT THE LAST MEETING IS CIRCULATED FOR INFORMATION.

PRINCIPAL
GOSSNER HIGH SCHOOL
RANCHI.

REPORT OF THE SUB COMMITTEE.

of

the Gossner High School Managing Committee for framing rules in connection with the use of the School Garden and Compound (vide Managing Committee resolution No.   dated   ).

Present:- The Principal, Rev. B.Minz, and Mr. S.C.Das Gupta.

ANIMALS.

1. No one resident in the School compound shall be allowed to keep in the compound ~~[illegible]~~ any ~~other~~ animals except Cows ~~[illegible] goats, sheep~~ + dogs under conditions noted below.

2. No srevants of the School or Hostel including the Bhandari shall be allowed to keep any dogs in the compound.

3. No teacher or sub-warden residing in the two hostels or in the new cottage shall be allowed to keep any dogs.

~~4. Any teacher keeping dogs will be required to keep them chained up from 6a.m. to 7p.m.~~

Cows.

5. No one resident in the school compound shall be allowed to keep any buffaloes or bulls in the school compound.

6. No one resident in the school compound shall be allowed to keep more than two cows in the compound, except the school Chaukidar and the hostel Bhandari who may be allowed to keep three each.

7. It is to be understood that in all cases of new additions or subtractions of cows the Principal is to be previously informed.

Shelter for cows.

8. Shelter when available may be given to the cows of the hostel Bhandari and the school Chaukidar. (N.B. the Principal's quarters provide shelter for cows that he may keep.)

9. The Managing Committee may allow shelter to be constructed by resident Christian teachers for their own cows at a place approved by them in the Resident Teachers' compound, at their own expense.

Cow Dung.

10. (a) Cowdung of the cows must be pitted only at places approved by the Principal.

(b) The cowdung belonging to teachers may be used by themselves if required.

(c) The cowdung of all others are to be collected in pits in the school garden by the garden malis.

(d) The school Chaukidar and the hostel Bhandari may be allowed to take away from the school garden one cart load of manure x annualy for their own use but not for sale.

Rice gruel.

11. The Principal, the hostel Bhandari and the school Chaukidar only may have Rice gruel माड़ from the hostel kitchen when available

Grazing of Cows.

12. Grazing of cows in the school compound shall be entirely under the control of the Principal.

13. Grazing fees to the goala are to be paid through the Principal and grazing charges are payable to him.

14. Grazing is not allowed in the plots round about the Main School or hostel buildings, except by stout ropes tied to the cows and pegged on the ground.

15. For those who pay grazing XXX charges to the Principal, grazing will be allowed only on lands within the jurisdiction of the Principal.

School Garden.

16. No one except the Bhandari or the garden Supervisor shall beallowed to enter the school garden without the previous permission of the Principal or during his absence of the Bhandari and Sub-warden and except for bonefied purposes (It is understood that boys who have manual work allotted to them in the garden under the supervision of the Bhandari or any other person who may be in charge of the garden.)

17. The Bhandari as long as he is in sole charge of the garden shall be entitled annually to receive for good work in the garden a commission of 5% on all sales of garden produce except of fruits.

18. No sales or purchases from the garden are to be made except with the knowledge and permission of the Principal.

19. The Principal has the privilege of buying vegetables only (not fruits)at half price.from the garden.

Resident Teachers' Quarters and Compound.

20. The allotment of quarters to the Resident Christian Teachers will be entirely in the hands of the Principal.

21. No alterations to structure - partition walls etc.may be made except with the permission of the Principal.

22. The lands to the east and north of the teachers' quarters south of the Hospital road and west of the small tank are for

for the use XX and benifit of the Resident Christian Teachers which they shall be required tokeep clean and clear of jungle.

Servants' Line.

23. None but servants belonging to the school and hostel or servants belonging to the Principal (when any of his out house are used for school or hostel purpose) shall be allowed to reside in the Servants' line.

24. The servants will be required to keep the lands to the south and east of their line clean and may be employed during holidays to make them clean or to clear the jungle.

25. The servants will be required to make all tiling or other repairs to their roof for which XXXXX only materials will be supplied to them.

TANK.

26. Washing clothes inthe tank in the compound is strictly prohibited.

To

The Secretary,
G. E. L. Church Council

Dear Sir,

The Faculty at the direction of the Council undertook to ~~fram~~ draw up a curriculum of religious teaching in the four upper classes of the Gossner High School. The Faculty has finished its work.

The Curriculum drawn up by them is embodied in the two sheets attached herewith.

Yours sincerely
Benjamin Minz

Secretary,
Seminary Faculty.

Ranchi.
1. IX. 1925.

From the Faculty minutes of 28. viii. 1925.

ee

(iv) हाइ स्कूलमें वैकल्पकोर्स — गत बैठकमें यह बात डाली गई थी और एक कमिटि ठहराई गई थी कि वह इसका विचार करके एक कोर्स सिफारिश करे। उस कमिटीने आगत कामका रिपोर्ट पेश किया जिसपर विचार हुआ और फेकल्टीने जो कोर्स ग्रहण किया सो पहिले आगे अलग पत्र पर टैप किया जाकर रखा गया है।

फेकल्टी समझती है कि इसकी शिक्षाका अभिप्राय है कि वे लोग अपने जीवनको स्वयं स्वतः को आधीन करनेके लिये सिखाये जावें। इसलिए फेकल्टी अच्छा समझती है कि जब कोर्स छापा जायगा तब यह अभिप्राय भी उसमें छापा जावे जिससे शिक्षक इस बातको ख्यालमें रखें।

फेकल्टीने इस कोर्सको प्रथमतः आजमाइशके लिये एक वर्षके वास्ते ठहराया; यदि कुछ आवश्यक हो तो सालके अन्तमें यह सुधार जायगा।

सेक्रेटरी उन किताबोंको जो पढ़ाने और पढ़नेके लिये आवश्यक होंगी एक फिहरिस्त बनावेगा।

To ~~Principal~~ S. K. Roy

Of religious teaching

~~The Proposed~~ Curriculum / for the Gossner High School.

Class VIII	Class IX	Class X (& XI)	Class XI (& X)
(a) History of Palestine and its people with an account of the Roman Power and the Greek Culture before and at the time of ~~the Birth~~ of the Saviour. (b) St. Mark - text to be read - difficult passages explained and lessons of each passage driven home. A special study of the parables to be omitted but the boys will be expected to know the occasion of a parable and its general lesson.	(a) Muller's Church History:- Chapters 4, 5&9, 6, 11, 16, 27, 32. (b) Acts - text to be read - knowledge of the contents required - special emphasis to be laid on ~~Pauline portions~~ the life of St Paul, so as not only to know the main incidents of his life, but also the mainsprings of his life of surrender to Jesus Christ and of service for his fellows.	(a) Modern Missions (six lessons) ; Summary of Wueste's Church History; Gossner's Life. (b) Introduction to the Epistles - to know the author and the addressee of each epistle and to read the following select passages :- .... (20 or 30 passages to be selected by Rev. J. C. Tirkey.)	(a) Short lives of Augustine, Bunyan, Livingstone & Carey. (b) " THE WAY." by C. M. Jacobs ~~published by~~ obtainable at the Lutheran Theological Seminary, Rajahmundry.

The Committee believe~~s~~ that the object of Christian religious teaching is not to cram knowledge but to lead the ~~pupils~~ pupils to surrender their lives to Jesus Christ. ~~When~~ If this Curriculum is printed this Committee strongly recommend~~s~~ to the Church Council that the said object also be printed in the Curriculum for the guidance of the teachers. If this curriculum is approved the Committee will be happy to recommend a few text books for the help of teachers.

The above business was done on 24-8-1925.
Present : Rev. I. Cannaday,
Mr. S.K. Roy,
Rev. J. C. Tirkey,
" R. L. Lakra
" B. Minz (Convener)

Will you kindly return this either to-day or to-morrow after correcting any mistakes that I ~~might~~ may have made.

B. Minz
25.8.25

approved with the recom — for one year's trial, to be revised after one year if necessary

GOSSNER HIGH SCHOOL RANCHI.

CURRICULUM OF RELIGIOUS TEACHING.
1926.

Class VIII.

(a) History of Palestine and its people with an account of the Roman power and the Greek Culture before and at the time of the Birth of the Saviour.
(b) ST.Mark- text to be read- difficult passages explained and lessons of each passage driven home. A special study of the parables to be omitted but the boys will be expected to know the occasion of a parable and its general lesson.

Class IX

(a) Muller's Church History:- Chapter 4, 5 & 9, 6, 11,16, 27, 32.
(b) Acts- text to be read. Knowledge of the contents required. -special emphasis to be laid on Pauline Portions.

Classes X & XI.
Two years'Course.

(a) Modern Missions (six lessons);
(b) Summary of Wueste's Church History.
(c) Gossner's Life.
(d) Short lives of Augustine, Bunyan, Livingstone and Carey.
(e) "The Way".
(f) Introduction to the Epistles -to know the author and the addressee and to raed the following selected passages:-
....
(passages to be selected by Rev: J.C.Tirkey.)

INTRODUCTION TO THE EPISTLES WITH A STUDY OF SELECTED PASSAGES FROM THEM TO BE EXPLAINED FULLY.

Roman	Chap.	1. 18-23.
"	"	11. 33-36.
"	"	12. 9-21.
"	"	13. 1-7.
I Corinth	"	1. 18-25.
"	"	13.________.
II "	"	6. 1-10.
"	"	11. 22-33.
Galatians	"	4. 1-7.
"	"	5. 13-26.
Ephes	"	4. 1-6.
"	"	5. 15-21.
"	"	6. 10-20.
Philipi	"	2. 5-11.
"		4. 4-9.
Colos.	"	3. 12-17.
I Thassl.	"	4. 13-18.
II "	"	2. 1-12.
I Timothi	"	2. 1-7.
"	"	4. 1-5.
II "	"	3. 14-17.
Titus	"	1. 10-16.
Philemon	"	1. 16-21.
Hebrews	"	7. 1-3.
"	"	11. 32-40.
"	"	13. 1-19.
James	"	2. 14-26.
"	"	5.13- 18.
I Peter	"	1. 17-18.
"	"	5. 6-9.
II "	"	3. 10-13.
I Johan	"	2. 15-17.
"	"	4. 1-3.
Juda	"	1. 8-9.

PRINCIPAL.
GOSSNER HIGH SCHOOL RANCHI.